मेरा कॉलम

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा 'उरतृप्त'
मो. नं. 73 8657 8657

प्रायश्चित का उत्सव

जब रिटायरमेंट के बाद बड़े बेटे प्रशांत ने शहर के सबसे महंगे ओल्ड एज केयर कम विला में बाबूजी के लिए कमरा बुक किया, तो बाबूजी–सेवानिवृत्त मुंशी रामप्रसाद जी–ने विरोध नहीं किया। वे अपने साथ केवल एक चीज़ लेकर आए–एक फटी हुई, पीली पड़ चुकी नोटबुक, जिसमें पिछले चालीस सालों के दूध, राशन और बचों की स्कूल फीस का हिसाब था।

प्रशांत ने कमरे का रिमोट वाला पर्दा उठाते हुए गर्व से कहा, बाबूजी, यहाँ की खिड़की से पूरी झील दिखती है। अब आपको पुराने मोहल्ले की उस धूल और शोर में रहने की ज़रूरत नहीं।

रामप्रसाद जी ने खिड़की की ओर देखा भी नहीं। उन्होंने अपनी उस नोटबुक को मखमली सोफे के कोने पर ऐसे रखा जैसे कोई ज़हरीला सांप रख रहे हों। उन्होंने एक ठंडी सांस ली और बोले, झील तो बहुत सुंदर है बेटा, पर मेरी आँखों को उस नाली की बदबू की आदत है जिसे पार करके मैं रोज़ कचहरी जाता था ताकि तुम्हारी ट्यूशन की फीस भर सकूँ। यहाँ की हवा इतनी साफ है कि मुझे डर लग रहा है कि कहीं मेरे फेफड़े इस अमीरी को झेल न पाएँ और फट जाएं।

प्रशांत के चेहरे पर छाई मुस्कान जम गई। उसे लगा जैसे उसके रिटर्न गिफ्ट पर किसी ने तेज़ाब छिड़क दिया हो।

अगले कुछ हफ्तों में रामप्रसाद जी ने उस आलीशान विला को एक अनाथालय की गंभीरता दे दी। विला में पांच सितारा डाइनिंग हॉल था, जहाँ बुफे लगता था। लेकिन रामप्रसाद जी वहाँ कभी नहीं गए। वे अपने कमरे के कोने में ज़मीन पर बैठकर सूखी रोटियों को पानी में डुबोकर खाते।

जब बहू शालिनी ने रोते हुए पूछा, बाबूजी, क्या खाना अछा नहीं है? आप ऐसा क्यों कर रहे हैं?

तो रामप्रसाद जी ने अपनी सूखी कलाइयों को दिखाते हुए कहा, बहू, जब प्रशांत छोटा था, तो कई रातें मैंने सिर्फ पानी पीकर काटी थीं ताकि इसे बादाम मिल सकें। अब मेरा पेट इस शाही पनीर को अपना दुश्मन मानता है। मुझे यह सूखी रोटी खाने दो, ताकि स्वर्ग में जब हिसाब हो, तो मैं कह सकूँ कि मैंने बेटे की तरक्की में एक दाना भी कम नहीं किया। तुम लोग खाओ, मेरी भूख तो प्रशांत की इस कामयाबी को देखकर ही मर गई है।

शालिनी को लगा जैसे पनीर का हर टुकड़ा उसकी गरिमा को काट रहा हो। उस दिन के बाद घर की डाइनिंग टेबल पर सन्नाटा पसर गया। हर निवाला एक अपराध जैसा लगने लगा।

प्रशांत ने बाबूजी के जन्मदिन पर उन्हें रेशमी कुर्ता-पायजामा और हाथ से सिली हुई चमड़े की चप्पलें भेंट कीं। रामप्रसाद जी ने उन कपड़ों को छुआ तक नहीं। वे अपनी वही पुरानी, घिसी हुई हवाई चप्पल पहनकर विला के बगीचे में घूमने लगे, जिसमें पीछे की तरफ एक काला धागा बंधा था ताकि वह टूटे नहीं।

विदेशी मेहमानों और रईस पड़ोसियों के सामने जब वे उस चप्पल को चटकाते हुए निकलते, तो प्रशांत का सिर शर्म से झुक जाता। एक दिन प्रशांत ने झिझकते हुए कहा, बाबूजी, लोग क्या कहेंगे? क्या मेरे पास आपको एक जोड़ी चप्पल दिलाने के पैसे भी नहीं हैं?

रामप्रसाद जी ने एक ऐसी करुण मुस्कान दी जो किसी भी वार से ज़्यादा गहरी थी। बेटा, यह चप्पल गवाह है कि मैंने तुम्हें यहाँ तक पहुँचाने के लिए कितनी ठोकरें खाई हैं। ये नई चप्पलें तो पाँव में छाले डाल देंगी, क्योंकि इन्हें संघर्ष की आदत नहीं है। तू अपनी ब्रांडेड जूतों की चमक संभाल, मुझे मेरी यह फटी हुई पहचान मुबारक। आखिर दुनिया को भी तो पता चले कि एक सफल बेटे के पीछे बाप ने कितनी घिसाई की है।

उस रात प्रशांत को लगा जैसे वह कोई विलासी राजा नहीं, बल्कि एक चोर है जिसने अपने बाप की खाल खींचकर अपना साम्राज्य खड़ा किया है।

पराकाष्ठा तब हुई जब रामप्रसाद जी ने विला के एयर कंडीशनर को चलाने से मना कर दिया। मई की चिलचिलाती गर्मी में वे कमरे की खिड़कियाँ बंद करके बैठ जाते। पसीने से तर-बतर, हांफते हुए।

प्रशांत पागलों की तरह कमरे में घुसा, बाबूजी, आप जान ले लेंगे क्या अपनी? क्यों मार रहे हैं मुझे इस ग्लानि से?

रामप्रसाद जी ने धुंधली आँखों से उसे देखा और कांपती आवाज़ में बोले, मैं तुझे मार नहीं रहा बेटा, मैं तो तुझे आज़ाद कर रहा हूँ। तूने मुझे यह महल दिया, मैंने स्वीकार किया। पर मेरी आत्मा तो उसी टीन की छत वाले कमरे में अटकी है जहाँ हम गर्मी में साथ सोते थे। मैं बस यह देख रहा हूँ कि क्या मैं अब भी उस तपिश को सह सकता हूँ? ताकि जब मैं मरूँ, तो तुझे यह मलाल न रहे कि बाप विलासिता में बिगड़ गया था। तू बस मुस्कुरा, मेरी यह घुटन ही तेरी तरक्की का अर्घ्य है।

प्रशांत घुटनों के बल बैठ गया और दहाड़ें मारकर रोने लगा। वह समझ चुका था कि वह हार चुका है। रामप्रसाद जी ने पीड़ित होने का वह ऊँचा सिंहासन पा लिया था, जहाँ से वे बिना एक शब्द कहे, प्रशांत की हर सुख-सुविधा को गुनाह साबित कर सकते थे। अब उस विला में ऐश्वर्य नहीं, ग्लानि का सन्नाटा पसरा है। रामप्रसाद जी जीत गए थे। उनका त्याग सुमित की सफलता पर एक ऐसा दाग बन गया था जिसे अब कोई वॉटर प्यूरीफायर या महंगा डिटर्जेंट साफ नहीं कर सकता था।

प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी का किया गया जय स्तंभ चौराहे पर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी द्वारा भव्य स्वागत

इंदौर समाचार सेवकराम चौबे कसरावद में प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी मंगलवार को जिले के प्रवास पर कसरावद पहुंचे। कसरावद जय स्तंभ चौराहे पर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के द्वारा जीतू पटवारी का भव्य स्वागत किया गया। कसरावद के कांग्रेस कार्यकर्ता बड़ी संख्या में मौजूद रहै पटवारी सड़क मार्ग से जिले में पहुंचे, जिसके चलते मंडलेश्वर, कसरावद, खरगोन सहित अन्य स्थानों पर जगह-जगह स्वागत-सत्कार किया गया। पटवारी ने मीडिया से चर्चा में प्रदेश सरकार के काबिना मंत्री विजय शाह, कैलाश विजयवर्गीय के बयानों पर तंज कसते हुए कहा कि इन नेताओं के अर्नगल बयानबाजी पर सरकार और पार्टी चुप्पी साधे है। जनता के वोट लेने के बाद प्रदेश में हो रहे भ्रष्टाचार को अनदेखा कर रही है। उन्होंने रावण का उदाहरण देते हुए कहा कि रावण का अहंकार नही रहा तो बीजेपी का अहंकार भी ज्यादा दिन नही रहेगा। प्रदेश की जनता अपने खून-पसीने की राशि का दुरुपयोग होते देख रही है। पटवारी इसके बाद भीकनगांव में बिंजलवाड़ा परियोजना को लेकर आयोजन सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए रवाना हुए।

11 सेवानिवृत्त सेवकों ने स्वैच्छा से विद्यालयों के लिए 12 स्मार्ट टीवी की दान

शाजापुर, निप्र। जिला मुख्यालय पर माह दिसम्बर 2025 में सेवानिवृत्त हुए 21 शासकीय सेवकों में से उपस्थित 15 को आज समारोहपूर्वक पीपीओ वितरित किये गये। कलेक्टर सुश्री ऋजु बाफना ने सेवानिवृत्त हुए शासकीय सेवकों का पुष्प माला एवं श्रीफल से सम्मान किया। कलेक्टर सुश्री बाफना के आग्रह पर अभिनव पहल करते हुए 11 सेवानिवृत्त शासकीय सेवकों ने स्वैच्छा से विद्यालयों के लिए 12 स्मार्ट टीवी दान की। कलेक्टर सुश्री बाफना ने दानदाताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके द्वारा दान की जा रही स्मार्ट टीवी के माध्यम से बच्चों की शिक्षा में सुधार आयेगा तथा विद्यालयों को आधुनिक तकनीक से जोड़ने में सहायता मिलेगी और सीखने की प्रक्रिया अधिक प्रभावी बनेगी। साथ ही साथ बच्चें इन स्मार्ट टीवी के माध्यम से विद्यालयों में अध्ययन भी कर सकेंगे। कलेक्टर ने सेवानिवृत्त होने वाले शासकीय सेवकों से आशा व्यक्त की कि इस पहल से अन्य लोग भी शिक्षा के क्षेत्र में सहयोग के लिए आगे आयेंगे।

कलेक्टर की अभिनव पहल,

इस दौरान कलेक्टर ने सभी सेवानिवृत्त हुए शासकीय सेवकों के बेहतर स्वास्थ्य और खुशहाली की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सेवानिवृत्ति के उपरांत सामाजिक दायित्वों का निर्वहन करें और अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें एवं बिना चिंता के जीवन यापन करें।

12 विद्यालयों में स्मार्ट टीवी दान की– शासकीय सेवकों ने विद्यालयों में स्मार्ट टीवी देने वालों में सेवानिवृत्त शासकीय सेवक प्रभुलाल सूर्यवंशी ने एकीकृत माध्यमिक विद्यालय सतगांव व भदौनी में एक-एक स्मार्ट टीवी, हजारी लाल वर्मा ने माध्यमिक विद्यालय सुनेरा, दयाराम मालवीय ने माध्यमिक विद्यालय किला दुलीचंद परमार ने एकीकृत माध्यमिक विद्यालय बर्डियासोन, मनोहर सिंह पंवार ने माध्यमिक विद्यालय नांदनी, रामप्रसाद मालवीय ने माध्यमिक विद्यालय अरनियाखुर्द, लाखनलाल परमार ने एकीकृत माध्यमिक विद्यालय बेगमखेड़ी, कैलाश सूर्यवंशी ने एकीकृत माध्यमिक विद्यालय सांपखेड़ा, बालचन्द सौराष्ट्रीय ने माध्यमिक विद्यालय साजोद, प्रवीण कुमार मण्डलोई ने माध्यमिक विद्यालय मेवासा एवं श्री अरूण शर्मा ने भी विद्यालय के लिए एक-एक स्मार्ट टीवी दान की। दान देने वाले सेवानिवृत्त शासकीय सेवकों ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें विद्यालयों में स्मार्ट टीवी दान देने पर बहुत प्रसन्नता हो रही हैं। सेवानिवृत्त शासकीय सेवकों ने बड़ी संख्या में शिक्षा विभाग के सहायक शिक्षक शामिल थे। उन्होंने बताया कि जिन विद्यालयों में वे पढ़ लिखकर काबिल बने है, उसी विद्यालय में पढ़ाने का अवसर मिला। कलेक्टर सुश्री बाफना द्वारा शुरू की गई इस अभिनव पहल के माध्यम से आज उन्हें उसी विद्यालय में स्मार्ट टीवी दान करने पर बहुत प्रसन्नता हो रही हैं। यह पहल विद्यार्थियों की सीखने की क्षमता को बढ़ायेगी।

15 सेवानिवृत्त को पीपीओ का वितरण– सेवानिवृत्त होने वाले शासकीय सेवकों में आज उपस्थित 15 सेवानिवृत्त शासकीय सेवकों जिनमें प्रचार्य श्री प्रवीण कुमार मण्डलोई, जिला पंचायत अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री हजारीलाल वर्मा, ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी श्री दयाराम मालवीय, सहायक शिक्षक श्री सिद्धनाथ वर्मा, सहायक शिक्षक श्री प्रभुलाल सूर्यवंशी, सहायक शिक्षक श्री दुलीचंद परमार, सहायक शिक्षक श्रीमती यास्मीन अख्तर, सहायक शिक्षक श्री संजय जैन, सहायक शिक्षक श्री राम कुमार श्रीवास्तव, सहायक शिक्षक श्री मनोहर सिंह पंवार, सहायक ग्रेड-1 श्री अरूण शर्मा, केयर टेकर श्री अब्दुल हाफिज खान, भृत्य श्री रमेश चंद्र माली, प्राथमिक शिक्षक श्री रामप्रसाद मालवीय एवं प्राथमिक शिक्षक श्री लाखनलाल परमार को पीपीओ वितरित किये गये। इस अवसर पर एडीएम बीएस सोलंकी, जिला पेंशन अधिकारी जीएल गुवाटिया, जिला शिक्षा अधिकारी राजेन्द्र शिप्रे, वसीम खान भी उपस्थित थे।

स्वास्थ्य सुविधाएं बदहाल, ग्रामीणों का फूटा गुस्सा पहुंचे कलेक्टर ऑफिस और बोले डॉक्टर नहीं, पानी नहीं–अब आंदोलन की चेतावनी

प्रशांत राठौड़ आलीराजपुर । जिले के आदिवासी बहुल क्षेत्र फुलमाल की स्वास्थ्य व्यवस्था पूरी तरह चरमरा चुकी है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (क्काष्ट) फुलमाल, जो हजारों ग्रामीणों के लिए जीवन रेखा है, आज खुद इलाज का मोहताज बना हुआ है ।

हालात इतने गंभीर हैं कि अब ग्रामीणों का सब्र जवाब दे चुका है और उन्होंने जनआंदोलन की खुली चेतावनी दे दी है। और बताया की सिर्फ एक नर्स के भरोसे हजारों लोग - यह सिस्टम की नाकामी क्काष्ट फुलमाल में वर्तमान में सिर्फ एक स्टाफ नर्स तैनात है। न स्थायी डॉक्टर, न अन्य स्टाफ। सवाल यह है कि एक अकेली नर्स 24 घंटे सेवा कैसे दे सकती है ? ग्रामीणों को मामूली बीमारी के इलाज के लिए भी 35 किलोमीटर दूर जिला अस्पताल भटकना पड़ रहा है। यह सीधा-सीधा ग्रामीणों के जीवन के साथ खिलवाड़ है। प्रसव सुविधा ठप - गर्भवती महिलाएं भगवान भरोसे डॉक्टर और स्टाफ की कमी के कारण 24म7 प्रसव सेवाएं पूरी तरह ठप हैं। गर्भवती महिलाओं को समय पर इलाज नहीं मिल पा रहा, जिससे जच्चा-बच्चा की जान हमेशा खतरे में बनी रहती है । कई मामलों में परिजन मजबूरी में निजी अस्पतालों या झोलाछापों का सहारा लेने को विवश हैं । अस्पताल में पानी तक नहीं शर्मनाक स्थिति हद तो तब हो जाती है जब अस्पताल परिसर में पीने के पानी की कोई व्यवस्था ही नहीं है। न बोरवेल, न नल । ग्रामीणों का कहना है कि जहां पानी नहीं, वहां इलाज कैसा ? यह स्थिति प्रशासन की संवेदनहीनता को उजागर करती है।

ग्रामीणों का ऐलान - अब आर-पार की लड़ाई फुलमाल एवं आसपास की पंचायतों के ग्रामीणों ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपते हुए साफ कहा है कि यदि जल्द - एक स्थायी स्क्क्क्ष्र डॉक्टर कम से कम दो नर्सिंग ऑफिसर अस्पताल परिसर में बोरवेल 24 प्रसव सुविधा व जीवन रक्षक दवाएं उपलब्ध नहीं कराई गईं, तो वे सड़क पर उतरकर उग्र जनआंदोलन करेंगे जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

ग्रामीणों ने दो टूक कहा - अब सिर्फ ज्ञापन नहीं, जरूरत पड़ी तो जिला मुख्यालय का घेराव होगा। इलाज हमारा अधिकार है, भीख नहीं ! अब बड़ा सवाल यह है कि क्या प्रशासन फुलमाल की इस बदहाल स्वास्थ्य व्यवस्था को सुधारने के लिए जागेगा, या आंदोलन की आग भड़कने का इंतजार करेगा ?

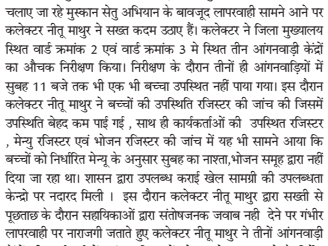

जनसुनवाई में कलेक्टर की संवेदनशील पहल से बुज़ुर्ग महिला को मिला 5 हजार मासिक पालन-पोषण भत्ता

आलीराजपुर, कलेक्टर कक्ष में आयोजित जनसुनवाई के दौरान कलेक्टर नीतू माथुर ने मानवीय संवेदनशीलता का परिचय देते हुए एक बुजुर्ग महिला को न्याय दिलाया। जनसुनवाई में 80 वर्षीय बुजुर्ग महिला शायरी पति स्वर्गीय डुंगरसिंह तोमर, निवासी खरखड़ी , ने आवेदन प्रस्तुत कर अपनी व्यथा बताई। आवेदन में उन्होंने बताया कि उनके पुत्र स्वर्गीय विक्रम सिंह तोमर प्राथमिक विद्यालय छकना में शासकीय सेवक के रूप में कार्यरत थे, जिनका वर्ष 2014 में आकस्मिक निधन हो गया था। शासन के नियमानुसार उनकी पुत्रवधू को अनुकंपा नियुक्ति प्राप्त हुई, लेकिन इसके बावजूद उनके द्वारा सास का पालन-पोषण नहीं किया जा रहा है और न ही किसी प्रकार की आर्थिक सहायता दी जा रही है, जिससे बुजुर्ग महिला को जीवनयापन में गंभीर कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए कलेक्टर नीतू माथुर ने संबंधित विभाग प्रमुख को निर्देशित कर पुत्रवधू को मुख्यालय बुलवाया। कलेक्टर ने स्पष्ट शब्दों में पुत्रवधू को निर्देश दिए कि वे अपनी सास का पालन-पोषण करें अथवा नियमित आर्थिक सहायता प्रदान करें, अन्यथा पालन-पोषण न करने की स्थिति में उनकी अनुकंपा नियुक्ति निरस्त की जा सकती है। कलेक्टर नीतू माथुर की मध्यस्थता से दोनों पक्षों में सहमति बनी, जिसमें पुत्रवधू द्वारा बुजुर्ग महिला को 5,000 रुपये प्रतिमाह एवं विगत कई माह से पालन पोषण न देने पर अतिरिक्?त 60,000 हजार पालन-पोषण भत्ता देने पर सहमति व्यक्त की गई। इस सहमति के तहत कलेक्टर कक्ष में ही बुजुर्ग महिला के बैंक खाते में निर्धारित राशि का अंतरण भी किया गया।

जिला स्तरीय मुस्कान सेतु कॉल सेंटर से मॉनिटरिंग के बावज़ूद लापरवाही पर कलेक्टर नीतू माथुर का कड़ा रुख,

आलीराजपुर, जिले में आंगनवाड़ियों के सुचारू संचालन को लेकर चलाए जा रहे मुस्कान सेतु अभियान के बावजूद लापरवाही सामने आने पर कलेक्टर नीतू माथुर ने सख्त कदम उठाए हैं। कलेक्टर ने जिला मुख्यालय स्थित वार्ड क्रमांक 2 एवं वार्ड क्रमांक 3 मे स्थित तीन आंगनवाड़ी केंद्रों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान तीनों ही आंगनवाड़ियों में सुबह 11 बजे तक भी एक भी बच्चा उपस्थित नहीं पाया गया। इस दौरान कलेक्टर नीतू माथुर ने बच्चों की उपस्थिति रजिस्टर की जांच की जिसमें उपस्थिति बेहद कम पाई गई , साथ ही कार्यकर्ताओं की उपस्थित रजिस्टर , मेन्यु रजिस्टर एवं भोजन रजिस्टर की जांच में यह भी सामने आया कि बच्चों को निर्धारित मेन्यू के अनुसार सुबह का नाश्ता,भोजन समूह द्वारा नहीं दिया जा रहा था। शासन द्वारा उपलब्ध कराई खेल सामग्री की उपलब्धता केन्द्रो पर नदारद मिली । इस दौरान कलेक्टर नीतू माथुर द्वारा सख्ती से पूछताछ के दौरान सहायिकाओं द्वारा संतोषजनक जवाब नही देने पर गंभीर लापरवाही पर नाराजगी जताते हुए कलेक्टर नीतू माथुर ने तीनों आंगनवाड़ी केंद्रों की कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं को पद से पृथक करने के निर्देश दिए।

ग्रामसभा के प्रस्ताव को एसडीएम ने ठुकराया, विधायक ने देर रात करीब ढाई बजे टंटिया भील की प्रतिमा स्थापित कर दी

सैलाना। जिले के सैलाना विधानसभा क्षेत्र के बाजना अंचल के राजापुरा गांव में टंटिया भील की प्रतिमा स्थापित करने के लिए ग्राम सभा का प्रस्ताव और अनापत्ति प्रमाण पत्र लेकर ग्रामवासी सैलाना एसडीएम को सूचना देने पहुंचे थे। सैलाना एसडीएम ने पेसा नियम 2022 के विरुद्ध ग्राम सभा की कार्यवाही को अवैध करार देते हुए मूर्ति स्थापना की अनुमति के लिए पुरातत्व विभाग आदि के एनओसी के सुझाव दे डाले थे। विधायक कमलेश्वर डोडियार को प्रतिमा स्थापना में एसडीएम के रवैये का पता चलने पर स्वयं ग्रामवासियों के साथ राजस्थान के तलवाड़ा से टंटिया भील की प्रतिमा को लाकर देर रात करीब ढाई बजे स्थापित कर दिया।

विधायक ने बताया कि अनुसूचित क्षेत्र में पेसा नियम का एक-एक अक्षर लागू करेंगे क्षेत्र वासियों को लगातार कानूनी रूप से जागरूक करेंगे ताकि आदिवासी इलाके में राजनीति से प्रेरित कर्मचारियों के हस्तक्षेप को मिटाया जा सके। देर रात करीब दो बजे तलवाड़ा जिला बांसवाड़ा से जनजातीय क्रांतिकारी टंटिया मामा की प्रतिमा लेकर राजापुरा गांव पहुंचे क्षेत्रिय विधायक कमलेश्वर डोडियार ने कहा कि दिनांक 25 जनवरी को प्रतिमा अनावरण एवं जनजागृति कार्यक्रम आयोजित होगा। विधायक ने क्षेत्र के ग्रामीण जनों को अनावरण में शामिल होने का आह्वान किया । विधायक के साथ प्रतिमा स्थापना के दौरान जिला पंचायत सदस्य शरद डोडियार, पूर्व जिला पंचायत सदस्य कविता भगोरा, आदिवासी छात्र संगठन के पूर्व अध्यक्ष ध्यानवीर डामोर, जयस भील एकता मिशन संगठन के प्रदेश सचिव मांगू सिंह सिंगाड, कनीराम सिंगाड़, भुरजी, भानजी आदि मौजूद रहे। इस सम्बंध में एस डी एम जैन का कहना है कि इस स्थापना के लिए जिला पंचायत प्रतिनिधि शरद डोडियार आये थे तो केवल उनको स्थापना निरवर्तन की अनुमतियों के लिए कहा रोका नही है शासन से नियमानुसार अनुमतियाँ ली जाकर स्थापना करें

अजंता मंडल में सात ग्रामों की सहभागिता से भव्य हिंदू सम्मेलन संपन्न

अलीराजपुर इन्दौर समाचार प्रतिनिधि । राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में देशभर में नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में मंडल स्तर पर हिंदू सम्मेलन आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में अजंता मंडल अंतर्गत ग्राम अजंता में सात ग्रामों की सहभागिता के साथ भव्य हिंदू सम्मेलन कार्यक्रम संपन्न हुआ।

कार्यक्रम की शुरुआत सर्व समाज के मुख्य वक्ता एवं सात ग्रामों के पटेलङ्कपुजारा द्वारा मां भारती के श्रीचरणों में दीप प्रज्वलन एवं पूजा-अर्चना से की गई। इसके पश्चात मंचासीन अलीराजपुर जिले के जिला प्रचारक अनिल मीणा, सेवा भारती छात्रावास अधीक्षिका दीपिका कनेश मालवई सहित सात ग्रामों के पटेल एवं पुजारा का श्रीफल एवं केसरिया दुपट्टे से सम्मान किया गया। मंच पर एक नन्ही बालिका को भारत माता के स्वरूप में विराजमान किया गया, जिसने सभी का मन मोह लिया। सरस्वती ज्ञान मंदिर एकेडमी, अजंता के भैया-बहनों ने राष्ट्रीय गीतों पर मनमोहक प्रस्तुति दी। ÷स्वागत करते आज तुम्हारा÷, ÷सौगंध मुझे इस मिट्टी की÷ जैसे गीतों पर प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों से वातावरण देशभक्ति से ओत-प्रोत हो गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भगत हाबू भाई चिखलकुई ने अपनी मातृभाषा में समाज को अपने देवी-देवताओं और परंपराओं से जुड़े रहने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि अपने आराध्य और संस्कृति से जुड़कर ही समाज का कल्याण संभव है। ग्राम चिखलकुई के डूंगर सिंह पटेल ने कहा कि हम सभी भारत माता की संतान हैं और आदिवासी हिंदू समाज एक है। उन्होंने समाज को संगठित रहकर अपनी धार्मिक और सांस्कृतिक पहचान की रक्षा करने का संदेश दिया। सेवा भारती छात्रावास अधीक्षिका दीपिका कनेश मालवई ने अपने उद्बोधन में कहा कि आदिवासी समाज प्रकृति, देवी-देवताओं और परंपराओं का पूजक रहा है। उन्होंने मातृशक्ति से आह्वान किया कि किसी भी प्रकार के प्रलोभन में न आएं तथा पंच परिवर्तन के महत्व को विस्तार से समझाया। जिला प्रचारक अनिल मीणा ने ÷भारत माता की जय÷ और ÷वंदे मातरम÷ के नारों के साथ उपस्थित जनसमूह में उत्साह भर दिया। उन्होंने टंट्या मामा, छीतू किराड़ और चंद्रशेखर आज़ाद जैसे स्वतंत्रता सेनानियों का स्मरण करते हुए कहा कि इन महापुरुषों ने आदिवासी समाज और देश की स्वतंत्रता के लिए संघर्ष किया, जिन्हें इतिहास में उचित स्थान मिलना चाहिए। कार्यक्रम के अंत में भारत माता की आरती की गई। सम्मेलन में लगभग 1800 हिंदू समाजजनों ने सहभागिता करते हुए सहभोज में भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन मगन सिंह पटेल, अजंता ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन मुकेश चौहान, अजंता मंडल कार्यवाह द्वारा किया गया।